NEWSLETTER

GOLD : 49399
SILVER : 56023
CRUD OIL : 6434

Download Our App "SIS CONNECT" For Daily Updates. CLICK HERE

24/09/2022

ग्राउंड रिपोर्ट

हरियाणा के आढ़तियां डटे है मैदान में, हड़ताल का आज 6वां दिन

-SIS संवाददाता : ऐलानाबाद

"सरकार को कोई भी नया नियम लागू करने से पहले उससे प्रभावित होने वाले लोगों की राय जरूर लेनी चाहिए। इस तरह कोई नई नीति थोप देना सही रवैया नहीं है। यह कहना है ऐलानाबाद शहर के आढ़तिया एसोसिएशन के सेक्रेटी विनोद गर्ग का। शनिवार को वे शहर के आढ़तियों के साथ ई-नेम पोर्टल के खिलाफ हड़ताल पर बैठे थे।"

किसान भी असमंजस में

19 सितंबर से चल रही आढ़तियों की हड़ताल का शनिवार को 6वां दिन था। इस दौरान पूरा ऐलानाबाद शहर बंद रहा। आढ़तिया सेक्रेटी ने बताया कि ई-नेम और ई-खरीद पोर्टल से ना तो किसान खुश है और ना ही हम एजेंट। दरअसल, इन पोर्टल से व्यापार करने से किसानों को तुरंत कोई पैसा नहीं मिलेगा पैसा 72 से 96 घंटे के बीच उनके अकाउंट में आएगा। जिससे वे असमंजमस में है। उन्होंने यह भी कहा कि सिर्फ ऐलानाबाद में ही 5000 आढ़तियें है। अगर सरकार यह पोर्टल नीति वापस नहीं लेती है तो हमारी तो रोजी-रोटी ही बंद हो जाएगी।

सरकार का सख्त रवैया

ईधर प्रदेश सरकार ने यह साफ कर दिया है कि आढ़तियों के दबाव में आकर उनकी नाजायज मांगें पूरी नहीं की जाएंगी। 1 अक्टूबर से फसलों की खरीद शुरू हो जाएगी यदि आढ़तियां नहीं माने तो खरीद की वैकल्पिक व्यवस्था शुरू की जाएंगी।

जानिए ई-नेम के बारे में

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक देश एक बाजार के तहत 2016 में ई-पोर्टल ई-नाम शुरू किया था। इस पोर्टल पर 18 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की 1 हजार से ज्यादा अनाज मंडी को लिस्ट किया गया है। पोर्टल पर देशभर के 1.75 करोड़ किसान, 2.15 लाख व्यापारी और 2 हजार एफपीओ ने पंजीकरण कराया है। इस पोर्टल द्वारा किसानों को ऑनलाइन पैमेंट किया जाएगा।

किसान की आवाज

किसान तैयार है ऑर्गेनिक खेती के लिए, बस सरकार की मदद चाहिए

हरियाणा के हिसार क्षेत्र के किसान देव करण शर्मा ने बताया कि पिछले 5 सालों से हमारे क्षेत्र में ऑर्गेनिक खेती के लिए लगातार जागरूकता अभियान चलाए जा रहे है। इसी का नतीजा है कि हमारा लगभग 70 किसानों का ग्रुप बन चुका है जो ऑर्गेनिक खेती कर रहा है। इस दौरान हमने जो एक मात्र समस्या देखी है वो यह है कि उन्नत किसान तो ऑर्गेनिक खेती को आसानी से अपना लेते है लेकिन गरीब किसान शुरू में इससे होने वाले नुकसान को सहन नहीं कर पाते। यदि सरकार शुरू के 2 सालों तक इन किसानों को आर्थिक मदद कर दें तो किसान इसे आसानी से अपना लेंगे।

300 एकड़ पर ऑर्गेनिक कपास

देव करण ने बताया कि इस साल हमारे ग्रुप ने कुल 500 एकड़ जमीन पर खेती की है। इसमें से 300 एकड़ पर ऑर्गेनिक कपास और 200 एकड़ पर ग्वार की बुआई की है। फसल का वर्तमान स्वास्थ्य तो बहुत बेहतर है। लेकिन यदि कुछ दिन बारिश और हुई तो नुकसान हो सकता है।

कैसे चुनी ऑर्गेनिक की राह

शुरूआत में हमने अपने घर के लिए सब्जी और अनाज ऑर्गेनिक तरीके से उगाना शुरू किया। जब हम यह ऑर्गेनिक सामग्री खाने लगें तो बाहर के खाने का स्वाद खराब लगने लगा। तब हमने सोचा कि अच्छा खाना सबका अधिकार है इसी सोच के साथ ऑर्गेनिक खेती करना शुरू की। जब किसानों को ऑर्गेनिक उत्पादों की कीमत भी अच्छी मिलने लगी तो वे भी खुशी-खुशी हमारे ग्रुप से जुड़ते गए।

गोबर खाद का इस्तेमाल

ऑर्गेनिक खेती के बारे में जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि चूंकि लंबे समय से हम खेती में पेस्टिसाइड और दवाईयों का इस्तेमाल कर रहे है। इसकी वजह से जमीन की प्राकृतिक उर्वरक क्षमता बहुत कम हो गई है। अब जब हम इस जमीन पर ऑर्गेनिक खेती करते है और गोबर खाद का इस्तेमाल करते है। तो शुरू के दो साल तक पैदावार आधी या इससे भी कम रह जाती है। हालांकि दो साल के बाद जमीन की उपजाउ क्षमता भी बढ़ने लगती है और पैदावार भी बढ़ने लगती है। किंतु ज्यादातर किसान इन दो सालों का नुकसान सहन करने की स्थिति में नहीं हैं इसीलिए ऑर्गेनिक खेती का प्रतिशत कम है।

देव करण शर्मा, कपास किसान
हरियाणा, हिसार

इंडियन टेक्सटाइल इंडस्ट्री की ग्रोथ के लिए जरूरी है कॉटन एक्सपोर्ट में तेजी

पंजाब कॉटन एंड जिनर्स एसोसिएशन पंजाब के पूर्व अध्यक्ष भगवान बंसल ने वर्तमान कॉटन परिदृश्य के बारे में **SIS** से अपने विचार शेयर किए। उन्होंने कहा कि -

1- इस साल भारत में कॉटन की क्रॉप अच्छी आने की पूरी संभावना है। उम्मीद है कि **3** लाख **75** हजार से **3** लाख **80** हजार तक की बेल्स आएंगी।

2- यदि यूरापीय देशों से डिमांड रही तो इतनी अच्छी क्रॉप इंडिया को टेक्सटाइल इंडस्ट्री में ग्लोबल लीडर बना सकती है।

3- किंतु यदि एक्सपोर्ट का रेशो कम रहा तो अच्छी फसल के बावजूद टेक्सटाइल सेक्टर को भारी नुकसान उठाना पड़ेगा। इस स्थिति में सबसे ज्यादा नुकसान किसानों को होगा।

4- भारतीय टेक्सटाइल इंडस्ट्री की ग्रोथ के लिए जरूरी है कॉटन और कॉटन उत्पादों के एक्सपोर्ट में वृद्धि हो।

5- गुजरात की मिल्स धागा बनाने के लिए तैयार नहीं है, उन्होंने साफ कहा है कि जब माल के खरीदार तैयार होंगे तभी हम रूई खरीदेंगे और माल बनाएंगें।

6- बांग्लादेश हमारा प्रमुख निर्यातक देश है। लेकिन वहां की बैंक एलसी खोलने के लिए तैयार नहीं हैं। नतीजा बांग्लादेश की आर्थिक स्थिति भी अच्छी नहीं है। इसलिए वहां से भी कॉटन की डिमांड बने रहना मुश्किल है।

7- पाकिस्तान की फसल को भी इस साल भारी नुकसान हुआ है इसलिए वहां डिमांड तो है लेकिन कोई व्यापार नीति नहीं होने की वजह से वहां भी भारत का कपास नहीं जा सकेगा।

8- इसलिए भारत की टेक्सटाइल इंडस्ट्री की उम्मीद मुख्य रूप से यूरोप की कॉटन डिमांड पर ही केंद्रित है।

9- उम्मीद है कि **15** नवंबर से देश में **1.50** लाख गांठ रोजाना देश में आनी शुरू हो जाएंगी। जो **1** दिसंबर तक बढ़कर **2** लाख कपास गांठ हो जाएंगी।

10- नए कपास के आते ही भाव में भी कमी आना निश्चित है। हमारा अनुमान है कि नार्थ में कपास **6500** रूपये प्रति मंड और बाकि जगह **65** हजार रूपये प्रति कैंडी का भाव हो जाएगा।

भगवान बंसल
(कॉटन जिनर, भटिंडा)

NEWSLETTER

NORTH :
CENTRAL :
SOUTH :
(WEATHER REPORT)

Download Our App "SIS CONNECT" For Daily Updates. CLICK HERE

24/09/2022

जानिए कॉटन के लिए कैसा रहा सितंबर महीना

SMART INFO SERVICES

CALL : 91119 77775

WEEKLY AND MONTHLY CHART 24.09.2022

ICE COTTON						
MONTH	02.09.22	09.09.22	16.09.22	23.09.22	WEEKLY CHANGE	MONTHLY CHANGE
DEC	103.21	104.84	99.29	92.54	-6.75	-10.67
MARCH	100.14	101.45	96.15	89.67	-6.48	-10.47
MAY	97.79	99.28	93.9	87.49	-6.41	-10.3
MCX (BALES)						
OCT	37610	36950	33420	32400	-1020	-5210
NOV	35800	35000	32350	31070	-1280	-4730
NCDEX (KAPAS)						
APRIL	1752	1736	1672	1639	-33	-113
NCDEX (COCUD KHAL)						
DEC	2406	2345	2335	2281	-54	-125
JAN	2433	2354	2354	2300	-54	-133
CURRENCY ($)						
INDIAN (Rupee)	79.8	79.65	79.74	80.99	1.25	1.19
PAK (Pakistani Rupee)	219.299	223.829	236.791	239.85	3.059	20.551
CNY (Chinese yuan)	6.89975	6.92608	6.98691	7.12839	0.14148	0.22864
BRAZIL (Real)	5.1726	5.14779	5.25209	5.26559	0.0135	0.09299
AUSTRALIAN Dollar	1.46779	1.46024	1.48788	1.5314	0.04352	0.06361
MALAYSIAN RINGGITS	4.46922	4.49785	4.53549	4.57799	0.0425	0.10877
COTLOOK "A" INDEX	126.6	122.4	121.25	114.85	-6.4	-11.75
BRAZIL COTTON INDEX	127.55	123.63	117.14	110.29	-6.85	-17.26
USDA SPOT RATE	109.18	110.38	101.88	93.22	-8.66	-15.96
MCX SPOT RATE	45380	42890	40060	36390	-3670	-8990
KCA SPOT RATE (PAKISTAN)	22000	22000	22000	22500	500	500

इस माह इंटरनेशनल और नेशनल सभी एक्सचेंज मार्केट में कॉटन के भाव में तेजी से कमी आई है। इंटरनेशनल कॉटन एक्सचेंज पर दिसंबर, मार्च और मई तीनों ही महीनों के कॉटन भाव में मंथली अंतर में 10 अंक से ज्यादा की कमी आई है। एमसीएक्स पर भी कॉटन बेल्स के भाव घटे है। अक्टूबर महीने के सौदों के लिए साप्ताहिक अंतर में 1020 की कमी आई है जबकि नवंबर माह के लिए यह अंतर 1280 रूपए कम का रहा है। इन दोनों ही महीनों के लिए सितंबर माह में अब तक कुल क्रमशः 5210 और 4730 रूपए की कमी दर्ज की गई है।

एनसीडीएक्स पर भी कपास के भाव का सप्ताह अंतर में 33 रूपए और माह अंतर में 113 रूपए तक घटे है। इंटरनेशनल मार्केट में पाकिस्तान के केसीए स्पॉट रेट को छोड़कर अन्य सभी एक्सचेंज मार्केट जैसे कॉटलुक ए इंडेक्स, ब्राजील कॉटन इंडेक्स, यूएसडीए स्पॉट रेट और एमसीएक्स स्पॉट रेट पर भी कॉटन के भाव में कमी आई है। केसीए स्पॉट रेट पर माह अंतर में 500 रूपए दाम बढ़े है।

करंसी में इस माह डॉलर का बोलबाला रहा। डॉलर ने इस महीने अब तक भारतीय रूपये के मुकाबले 1.19, पाकिस्तानी रूपये में 20.551, चाइनीज युआन में 0.2286, ब्राजील रिअल में 0.092, ऑस्टेलियन डॉलर में 0.0636, और मलेशियन रिंगित में 0.108 की बढ़त हासिल की।

जानिए टेक्सटाइल निवेशकों के लिए कैसा रहा यह सप्ताह

19 सितंबर से 24 सितंबर के मध्य प्रमुख टेक्सटाइल कंपनीज की शेयर रिपोर्ट पर एक नजर

शेयर मार्केट में इस सप्ताह लगभग सभी प्रमुख टेक्सटाइल कंपनीज के शेयर्स का मार्केट केप नकारात्मक रहा। जानकारों की माने तो यह समय नए निवेशकों के लिए खरीदी का सही समय है। वहीं पुराने निवेशकों को इस समय मार्केट बढ़ने का इंतजार करने की सलाह दी जा रही है। जानिए बीएससी के मंच पर कैसा रही प्रमुख टेक्सटाइल कंपनीज की परफॉर्मेंस-

कंपनी	करंट प्राइस	हाई प्राइस	लोएस्ट प्राइस	हलचल
वर्धमान टेक्सटाइल लिमिटेड	335.55	376	330.45	-5.21%
अरविंद लिमिटेड	102.1	108	101.3	-2.53%
वेलसपन इंडिया	77.15	83.6	76.6	-4.40%
नितिन स्पिनर्स	221.85	238.85	219.6	-1.07%
रेमण्ड	1069.9	1183.55	1069.15	-8.40%
अक्षिता कॉटन लिमिटेड	310.45	320	309.05	-1.10%